अध्याय 20

स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छता कार्य योजना

स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छता कार्य योजना

मंत्रालय कार्यालय के परिसर में और इसके आसपास स्वच्छता गतिविधियां चलाता आ रहा है।

मंत्रालय ने स्वच्छता कार्य योजना के लिए "स्वच्छ कार्यालय/स्वच्छ पड़ोस और स्वच्छ पार्क" थीम अपनाई है और इसके बारे में सीआईएल, एससीसीएल और एनएलसीआईएल को पहले ही सूचित कर दिया गया था।

मंत्रालय स्वच्छता गतिविधियों को शामिल करते हुए एसएपी बनाता है और तदनुसार अपने वार्षिक बजट में निधियां निर्धारित करता है। इसे पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय को प्रस्तुत किया जाना है और निर्धारित प्रारूप में एसएपी पोर्टल पर अपलोड किया जाना है। एसएपी के तहत व्यय को बुक करने और निगरानी करने के लिए बजट में बजट शीर्ष "96" का इस्तेमाल किया जाता है। सीपीएससी से सूचना मिलने के बाद एसएपी बजट और एसएपी क्रियाकलापों का निरूपण कोयला मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। एसबीएम के महत्वपूर्ण घटकों में से एक मिशन के कार्यान्वयन के प्रगति पर नजर रखना है।

स्वच्छता पखवाड़ा/स्वच्छता माहः

सभी मंत्रालयों/विभागों और संबद्ध कार्यालयों में स्वच्छता को मुख्य धारा में लाने संबंधी विजन के साथ एक पहल शुरू की गई थी। पूरे वर्ष एसबीएम की गति को बनाने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा पहल माननीय प्रधान मंत्री द्वारा संकल्पित की गई थी। स्वच्छ भारत मिशन के भाग के रूप में माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गई स्वच्छता पखवाड़ा एक विशेष पहल है जिसका लक्ष्य स्वच्छता और साफ सफाई को भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और उनके कार्यक्रमों में मुख्य धारा में लाना है– स्वच्छ भारत मिशन को "सभी का कार्य" बनाने की दिशा में एक कदम। वर्तमान में पखवाड़ा मनाने के दौरान शास्त्री भवन, लोकनायक भवन और त्रिकूट भवन में स्थित कोयला मंत्रालय के कार्यालय सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों, एनएलसीआईएल और एससीसीएल में स्वच्छता संबंधी कई क्रियाकलाप किए गए थे। मंत्रिमंडल सचिवालय एक कैलेंडर का प्रस्ताव देता है और आवधिक रूप से पखवाड़ा गतिविधियों की समीक्षा करता है। एसएपी और स्वच्छता पखवाड़ा के संबंध में समय–समय पर दिशा–निर्देश और नए निदेश लाए जाते हैं।

जल शक्ति मंत्रालय के आदेश के अनुसार कोयला मंत्रालय के लिए स्वच्छता पखवाड़ा जून 2020 की दूसरी छमाही के लिए तय किया गया था। 24 मार्च 20 से पूरा देश गंभीर रूप से कोविड 19 की चपेट में रहा है। अब भी, घातक वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कार्यालय कम कार्यबल के तहत काम कर रहे हैं। महामारी की ऐसी स्थिति को देखते हुए वर्ष 2020–21 के लिए स्वच्छता पखवाड़ा के आयोजन को टालने पर विचार किया गया। 2020 के अक्टूबर माह (1 से 31 अक्टूबर 2020 तक) में एक स्वच्छता माह का आयोजन करने का प्रस्ताव था। इस समय के दौरान, वर्ष की थीम को पूरा करने के लिए व्यापक गतिविधियां शुरू की गई थीं। इस मामले में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा दी गई सभी एडवाइजरी का पालन किया गया।

सीआईएल और सहायक कंपनियों (7 सहायक कंपनियां– ईसीएल, सीसीएल, डब्ल्यूसीएल, बीसीसीएल, एनसीएल, एमसीएल, एसईसीएल), सीएमपीडीआई, एनएलसीआईएल, एससीसीएल, सीसीओ और सीएमपीएफओ ने स्वच्छता माह, अक्टूबर, 2020 को बड़े उत्साह के साथ मनाया है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सभी कर्मचारियों द्वारा सामूहिक शपथ ली गई और सीपीएसई द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से भी स्वच्छ भारत मिशन के बारे में सक्रिय रूप से बताया गया।

सीपीएसयू ने कामगारों की कॉलोनियों सहित निकटवर्ती/आसपास के क्षेत्रों में स्वेच्छा से स्वच्छता संबंधी कार्य किए। सीपीएसई ने खुले में शौच से मुक्ति के आन्दोलन और शौचालयों के निर्माण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आसपास की कुछ बस्तियों को अपनाया है ।

सीपीएसई ने डीडीजी, सांख्यिकी प्रभाग द्वारा बनाए गए एक वाट्सएप ग्रुप पर स्वच्छता माह, अक्टूबर 2020 के कार्य–निष्पादन पर रोजाना रिपोर्ट दी है। यह पुरस्कार पेयजल विभाग द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान किए गए कार्यों से सम्बंधित योगदान को मान्यता देने के लिए प्रायोजित किए गए थे। इस संबंध में निम्नलिखित तीन इकाइयों का उत्कृष्ट प्रदर्शनों के रूप में मूल्यांकन किया गया हैः

(i) सीसीएल का राजरप्पा क्षेत्र;

(ii) टीपीएस–II, एनएलसीआईएल;

(iii) आरजी–III एरिया, एससीसीएल।

स्वच्छता ही सेवा 2020:

स्वच्छता के साझा उद्देश्य वाले लाखों लोगों को संघटित करने वाले अभियान स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) में सभी एसएचएस अभियानों के दौरान जागरूकता फैलाने और नवीन कार्यक्रमों की शुरुआत करने वाले कई व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। इस अभियान को मनाने के लिए मंत्रालय द्वारा हर संभव प्रयास किए गए। कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों एससीसीएल और एनएलसी इंडिया लिमिटेड के सभी सीएमडी को स्वच्छता ही सेवा 2020 अभियान को पूर्णतया सफल बनाने के लिए प्रयास शुरू करने की सलाह दी गई थी। सभी सार्वजनिक उपक्रमों ने विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत की। कोयला उत्पादन की अपनी आम भूमिका के साथ–साथ कोयला पीएसयू की विभिन्न इकाइयों द्वारा किए गए प्रयासों को मान्यता देने के रूप में, 2019 से सीआईएल सहायक कंपनी और एससीसीएल, एनएलसीआईएल प्रत्येक के लिए तीन स्मृति चिन्ह शुरू करने का प्रस्ताव किया गया था। प्रत्येक सहायक कंपनी/कोयला पीएसयू के लिए स्वच्छता कार्य योजना के तहत अपने अधिकार क्षेत्र के अधीन प्रत्येक इकाई के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए निदेशक (पी) की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। यह समिति प्रत्येक वर्ष स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लेने वाली प्रत्येक इकाई के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन करती है। अधिकारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए पिछले वर्ष की तरह स्वच्छता सेवा शील्ड का भी आयोजन किया गया था। प्रत्येक सहायक कंपनी/कोयला पीएसयू में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली तीन इकाइयों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जाता है। इस पहल से सीएसआर टीम को उनकी गतिविधियों में प्रोत्साहन मिला। सीआईएल, एससीसीएल और एनएलसीआईएल अपने कमान क्षेत्र के भीतर कई पार्कों को अपनाने और उनका पुनः नामकरण करते हुए ''गांधी वन'' नाम देने का मामला पहले ही उठा चुके हैं। इस वर्ष स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन 2 अक्टूबर 2020 को स्वच्छता शपथ लेने के साथ ही 2020 के पूरे अक्टूबर माह के लिए किया गया था। इस वर्ष 150वीं गांधी जयंती समारोह और स्वच्छता ही सेवा अभियान के सुअवसर को जोड़ा गया है। सीआईएल, एससीसीएल और एनएलसीआईएल के लिए स्वच्छ भारत मिशन की थीम स्वच्छ कार्यालय, स्वच्छ पड़ोस और स्वच्छ पार्क रखी गई थी। स्वच्छता ही सेवा अभियान के भाग के रूप में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने और पड़ोस को स्वच्छ रखने के प्रयास किए गए हैं। सीआईएल, एससीसीएल, एनएलसीआईएल के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कार्यालयों ने अक्टूबर, 2020 के पूरे महीने के दौरान स्वच्छता ही सेवा अभियान मनाया।

इस वर्ष एसएचएस 2020 अभियान के विजेता निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	Subsidiary	क्षेत्र का नाम	पद
1.	बीसीसीएल		1
2.			2
3.			3
4.	सीसीएल		1
5.			2
6.			3
7.	सीएमपीडीआईएल		1
8.			2
9.			3
10.	ईसीएल		1
11.			2
12.			3
13.	एमसीएल		1
14.			2
15.			3

क्र.सं.	Subsidiary	क्षेत्र का नाम	पद
16.	एनसीएल	Nigahi	1
17.		Khadia	2
18.		Jayant	3
19.	एसईसीएल	Gevra	1
20.		Kusmunda	2
21.		Raigarh	3
22.	डब्ल्यूसीएल	Wani	1
23.		Pench	2
24.		Majri	3
25.	एनएलसीआईएल	CSR Department	1
26.		Mine I	2
27.		Mataria Management Complex	3
28.	एससीसीएल	RG.III	1
29.		BPA	2
30.		BHPL	3

BEFORE

AFTER

*****